



श्री गोपाला चाइल्ड एण्ड डेंटल केयर हॉस्पिटल

रत्नाबांधा, दुर्ग रोड, धमतरी

सर्वसुविधायुक्त बच्चों का अस्पताल



बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध



24 घंटे बच्चों के भर्ती व आपातकालीन इलाज



बच्चों के फ्रेक्चर, सर्जरी व ऑपरेशन की सुविधा
सौनेग्राफी, एक्सरे एवं सभी प्रकार के पैथालॉजी जांच सुविधा उपलब्ध



जयपुर पंचायत के 10 ने थामा कांग्रेस का हाथ
पखांजूर। अंतागढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रह चुके रूप सिंह पोटाई के नेतृत्व में पखांजूर मंडल के गोण्डाहुर क्षेत्र की जयपुर पंचायत पीव्ही-52 के 10 भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इनमें हरिदास काजी, नन्द हिरा, बबलू हिरा, विनय बैरागी, गौरंग बाला, देवव्रत सरकार, नारायण पटारी, बासुदेव बड़ई, इंद्रजीत पात्र और मोहित मंडल शामिल हैं। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की अनदेखी, खाद की बढ़ती कीमत, बढ़हाल सड़क, बेरोजगारी, महंगाई और स्वास्थ्य व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस में शामिल होने की बात कही।

सर्पदंश से महिला की हुई मौत, मर्ग कायम कांकेर। कोर थानांतर्गत धनेलीकन्हार निवासी मगनी बाई उसण्डी पति सिलक राम का सर्पदंश के कारण 24 सितंबर को मौत हो गया। सीएचसी धनेलीन्हार से अस्पताल मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतिका को सांप ने काट लिया था। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

बोरे में मिला बछड़े का शव, मचा हड़कंप कांकेर। शहर में काली मंदिर के बाजू से जाने वाली गली में पुराने मलरिया कार्यालय के पास बीती रात को बोरे में बछड़े का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी सामने होने के बाद गौसैवकों में नाराजगी है। बताया जा रहा है कि घटना से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास रागे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आने की बात सामने आई है। मामले में जांच जारी है।

जहर खाने से हुई मौत, मर्ग कायम कांकेर। सीएचसी नरहरपुर में इलाज के लिए लाए धमतरी जिला के मोगरागहन निवासी 37 वर्षीय प्रवीन मण्डवी पिता देवराम का मौत हो गया। अस्पताल के वार्ड बाँय द्वारा अस्पताली मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतक ने जहर खा लिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

हिंदी पखवाड़े में हिंदी की समृद्धि के लिए दी प्रेरणा कांकेर। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय कांकेर में हिंदी पखवाड़ा 2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. ओपी मिश्रा ने हिंदी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व रखने तथा दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि बालाराम सिन्हा ने हिंदी भाषा के विभिन्न स्वरूपों, व्यापकता और विविध प्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन से जुड़ी भाषा है।

वन विभाग ने चारामा नगर में धूमते भालू का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर

चारामा नगर क्षेत्र में पिछले दो दिनों से वन्यप्राणी भालू की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। स्कूल, हॉस्टल परिसर, गणेश पंडाल और आसपास के आवासीय क्षेत्रों के समीप भालू के आने से स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ था। जानकारी मिलते ही वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया और भालू को सुरक्षित पकड़कर उसके प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया।

घनी आबादी के बीच भालू की मौजूदगी से मचा हुआ था हड़कंप

भालू की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। स्कूल, हॉस्टल परिसर, गणेश पंडाल और आसपास के आवासीय क्षेत्रों के समीप भालू के आने से स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ था। जानकारी मिलते ही वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया और भालू को सुरक्षित पकड़कर उसके प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया।

वन्यप्राणी दिखने पर विभाग को दे जानकारी

रेस्क्यू अभियान के दौरान वनमंडलाधिकारी कांकेर एवं रेस्क्यू टीम ने शांति और सहयोग बनाए रखने के लिए चारामा के स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अमले का आभार जताया। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि भविष्य में किसी भी वन्यप्राणी की उपस्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करें और स्वयं वन्यप्राणी के पास जाने या उसे पकड़ने का प्रयास न करें।

विडंबना : दल्ली-राजहरा-रावघाट रेल परियोजना से प्रभावित परिवारों को मिला केवल आश्वासन

रावघाट रेल लाइन निर्माण पूर्ण, पर किसानों के सपने 15 साल से अधूरे

हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर

17.5 किलोमीटर लंबे ताड़ोकी-रावघाट रेलखंड का कार्य पूर्ण होने के साथ 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। रेलवे मंत्री ने टिवट कर उपलब्धि बता रहे हैं, परंतु रेलवे व बीएसपी के अधिकारियों की लापरवाही के कारण विकास की पटरी बिछाने के लिए जमीन देने वाले 250 किसान 15 साल बाद भी अपने हक के लिए सरकारी दफ्तरों और अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन में कांकेर जिले के लगभग 32 गांव कच्चे, टेकाढोहा, चोगेल, भैसमुंडी, भैसाकन्हार, कन्हारागांव, घोड़ुलबेड़ा, तुमापाल, पंडरीपानी, केवटी, हरहरपानी, पारसकोट, किनारी, कनकपुर, चिचमरा, कोटगांव, मासबरस, लामपुरी, गावडेखसगांव, लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। रेलवे मंत्री ने टिवट कर उपलब्धि बता रहे हैं, परंतु रेलवे व बीएसपी के अधिकारियों की लापरवाही के कारण विकास की पटरी बिछाने के लिए जमीन देने वाले 250 किसान 15 साल बाद भी अपने हक के लिए सरकारी दफ्तरों और अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

आर्थिक संकट भी गहराया

किसानों का कहना है कि जमीन उनकी आजीविका का प्रमुख आधार थी। परियोजना के लिए जमीन चले जाने के बाद परिवारों के सामने आय का संकट खड़ा हुआ। आर्थिक परेशानी का असर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर भी पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि यदि समय पर मुआवजा और रोजगार उपलब्ध कराया जाता तो वे अपने परिवारों का बेहतर ढंग से भरण-पोषण कर पाते।

मांगों का दिया आश्वासन नहीं लिया सुध

प्रभावित किसानों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का रास्ता भी अपनाया। एक साल पहले अंतागढ़ रेलवे स्टेशन के पास 25 मई 2025 से 25 जून 2025 तक अनिश्चितकालीन रेल रोकों आंदोलन किया गया था। आंदोलनकारियों के अनुसार लंबे समय तक चले इस आंदोलन के दौरान संबंधित अधिकारियों की ओर से मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया। हालांकि किसानों का कहना है कि आश्वासन के बावजूद कई बैठकें हो जाने के बाद उनकी मूल समस्याओं का अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

नाबालिग से दुष्कर्म, दो आरोपियों को उम्रकैद

कांकेर। पांच वर्षीय नाबालिग बालिका को घर से उठाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में कांकेर पुलिस की त्वरित विवेचना और प्रभावी अभियोजन के बाद न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश एवं अतिरिक्त प्रभार अपर सत्र न्यायाधीश विभा पाण्डेय की अदालत ने मामले में प्रस्तुत मौखिक, परिस्थितिजन्य एवं अन्य साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करने के बाद यह निर्णय दिया। विदित हो कि 7 मार्च 2026 को पांच वर्षीय बालिका को अज्ञात व्यक्ति घर में सोते समय उठाकर ले जाने के सूचना मिलने पर थाना कांकेर में गुप्त संसाधन क्रमांक 22/26 दर्ज किया गया।

ग्रामीण खुद साफ कर रहे मार्ग, जेसीबी और प्रशासन की मदद का इंतजार

बारिश व आंधी से आमापानी, रावस-परेदोड़ा में चार दिनों से आवागमन टप

हरिभूमि न्यूज़ ►► सरोना

लगातार तेज बारिश और आंधी-तूफान ने सरोना तहसील के ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। ग्राम रा व स , आमापानी और परेदोड़ा को जोड़ने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग पिछले चार दिनों से पूरी तरह बंद है। मार्ग पर जगह-जगह पेड़ उखड़कर गिरने के साथ बड़े-बड़े पत्थर और मलबा जमा होने से तीनों गांवों का जिला, ब्लॉक और तहसील मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट गया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों के लिए पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। जानकारी के अनुसार तीनों गांवों तक

कुल्हाड़ी लेकर ग्रामीण खुद जुटे रास्ता साफ करने में

मौसम में सुधार के बाद रावस, आमापानी और परेदोड़ा के ग्रामीण खुद ही बंद पड़े मार्ग को खोलने में जुट गए हैं। ग्रामीण कुल्हाड़ी, फावड़ा और अन्य औजार लेकर सड़क पर गिरे पेड़-पौधों व छोटे मलबे को हटाने का प्रयास कर रहे हैं। चार दिनों से मार्ग बंद होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। हालांकि बड़े पेड़ और भारी पत्थर हटाना उनके लिए मुश्किल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जेसीबी भेजकर जल्द मार्ग बहाल करने की मांग की है।

सरोना तहसील के ग्राम पंचायत चोरिया के आश्रित ग्राम डोंगरीपारा में तीनों दिनों की लगातार हुई झमाझम बारिश के चलते चमरूराम शोरी का कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। गनीमत रही कि घटना के समय घर के भीतर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि होने से टल गई। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने रहने और रोजगारों की जरूरतों को लेकर संकट खड़ा हो गया है। घर ढहने की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत चोरिया के सरपंच हेमंत भास्कर तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और क्षतिग्रस्त मकान का जायजा लिया। सरपंच ने परिवार को ढाँढस बंधाते हुए पंचायत की ओर से तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए राशन की व्यवस्था की तथा फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रहने की व्यवस्था कराई। पंचायत की इस त्वरित मदद से बारिश के बीच बेघर हुए परिवार को राहत मिली है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में लगातार बारिश होने के कारण कई कच्चे मकानों में दरारें आने लगी हैं। डोंगरीपारा में मकान गिरने की घटना के बाद आसपास कच्चे मकानों में ►►शेष पेज 12 पर

बारिश व आंधी से आमापानी, रावस-परेदोड़ा में चार दिनों से आवागमन टप

कांकेर। पांच वर्षीय नाबालिग बालिका को घर से उठाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में कांकेर पुलिस की त्वरित विवेचना और प्रभावी अभियोजन के बाद न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश एवं अतिरिक्त प्रभार अपर सत्र न्यायाधीश विभा पाण्डेय की अदालत ने मामले में प्रस्तुत मौखिक, परिस्थितिजन्य एवं अन्य साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करने के बाद यह निर्णय दिया। विदित हो कि 7 मार्च 2026 को पांच वर्षीय बालिका को अज्ञात व्यक्ति घर में सोते समय उठाकर ले जाने के सूचना मिलने पर थाना कांकेर में गुप्त संसाधन क्रमांक 22/26 दर्ज किया गया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगी मदद

ग्रामीणों का कहना है कि घाटी में गिरे विशाल पेड़ों और बड़े-बड़े पत्थरों को हटाने ग्रामीणों के लिए संभव नहीं है। इसके लिए जेसीबी मशीन और प्रशासनिक अमले की आवश्यकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर तत्काल जेसीबी और संबंधित विभाग की टीम भेजकर मार्ग को साफ कराया जाए, ताकि तीनों गांवों का संपर्क शीघ्र बहाल हो सके और आवश्यक सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो सकें।

कुल्हाड़ी लेकर ग्रामीण खुद जुटे रास्ता साफ करने में

मौसम में सुधार के बाद रावस, आमापानी और परेदोड़ा के ग्रामीण खुद ही बंद पड़े मार्ग को खोलने में जुट गए हैं। ग्रामीण कुल्हाड़ी, फावड़ा और अन्य औजार लेकर सड़क पर गिरे पेड़-पौधों व छोटे मलबे को हटाने का प्रयास कर रहे हैं। चार दिनों से मार्ग बंद होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। हालांकि बड़े पेड़ और भारी पत्थर हटाना उनके लिए मुश्किल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जेसीबी भेजकर जल्द मार्ग बहाल करने की मांग की है।

ख़बर संक्षेप

पुलिस और नगर पंचायत ने हटाया पेड़, फिर यातायात हुआ बहाल



फरसगांव। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच शुक्रवार रात करीब 8 बजे फरसगांव नगर में NH-30 पर स्टैंडियम के पास अचानक एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क के आधे हिस्से में गिरने से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहा और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ गिरने की सूचना मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, सीएमओ मयंक बसंतवानी एवं फरसगांव पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची टीम ने तत्परता से पेड़ को सड़क से हटवाया। इसके बाद मार्ग साफ होने पर NH-30 पर यातायात सामान्य रूप से बहाल हो गया। बारिश के दौरान सड़क पर पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, हालांकि समय रहते पेड़ हटाए जाने से बड़ी परेशानी टल गई।

बारिश ने खोली पुल की पोल : भंडारावंडी मार्ग पर फिर धंसी सड़क



फरसगांव। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हुई लगातार बारिश के चलते फरसगांव ब्लॉक के ग्राम भंडारावंडी को ब्लॉक मुख्यालय से जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित पुल के किनारे की मिट्टी शनिवार सुबह फिर धंस गई। मिट्टी धंसने से सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर वहां बड़े गड्ढे का रूप ले लिया, जिससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार करीब एक माह पहले भी इसी स्थान पर बड़ा गड्ढा हो गया था। उस समय सरपंच एवं ग्रामीणों ने मुद्दम डालकर गड्ढे को अस्थायी रूप से पाट दिया था। साथ ही प्रशासन से पुल और सड़क की स्थायी मरम्मत की मांग की गई थी, लेकिन समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण लगातार बारिश में उसी स्थान पर दोबारा सड़क धंस गई। सड़क क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को फरसगांव ब्लॉक मुख्यालय आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत करा दी जाती तो यह स्थिति नहीं बनती। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द से जल्द पुल की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है।

जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने कांग्रेस ने की मांग कोण्डागांव। जनगणना 2026—27 में अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के लिए पृथक कॉलम शामिल किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग कोंडागांव की जिलाध्यक्ष भगवती पटेल के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम ज्ञापन कोंडागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गई कि जनगणना प्रप्रत्र में नागरिकों की जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी से संबंधित जानकारी दर्ज करने के लिए स्पष्ट एवं पृथक कॉलम शामिल किया जाए।



जयकारों के साथ गणपति बप्पा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज़

शुक्रवार को नगर में भारी बारिश के बीच भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं और युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। विभिन्न गणेश समितियों ने ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुनों के साथ प्रतिमाओं को नगर भ्रमण कराया और भक्तों ने नाचते-गाते भगवान गणेश को विदाई दी। अस्पताल मैदान गणेश समिति, गांधी चौक गणेश समिति, लालबाग का राजा गणेश समिति, नयापारा गणेश समिति, सीटीओ कॉलोनी गणेश समिति, रावणभाटा गणेश समिति सहित अन्य समितियों की प्रतिमाओं



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



फिराग उपाध्याय

केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की

खबर संक्षेप

हिंदी हमारी सांस्कृतिक विरासत का सशक्त माध्यम



दंतेवाड़ा। शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दंतेवाड़ा में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग के तत्वावधान में विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यार्थियों ने भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन सहित विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य डॉ. कृष्ण मुरारी प्रसाद ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक विरासत और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। हमारी भाषा ही नहीं, हमारी संवेदना और सांस्कृतिक हठचान भी है।

चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ का कहर, बस्तर ब्लॉक में जनजीवन अस्तव्यस्त

बस्तर में बाढ़ से कई मुख्य मार्ग बंद मधोता का माटापारा जलमग्न

हरिभूमि न्यूज़ ►► बस्तर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के प्रभाव से बस्तर ब्लॉक में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। बुधवार से जारी मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है। नदी-नाले उफान पर हैं और निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल पूरी संवेदनशीलता के साथ बचाव एवं राहत कार्य में जुटा है।

भारी बारिश के कारण नेशनल हाईवे-30 पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लंबी कतार लग गई है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। सबसे गंभीर स्थिति ग्राम पंचायत मधोता की है, जहां लगातार बारिश से पूरा माटापारा टापू में तब्दील हो गया है। घरों में कई फीट पानी भर गया है। जिला प्रशासन, आपदा



बस्तर ब्लॉक के कई संपर्क मार्ग बाधित
भारी बारिश से बस्तर ब्लॉक के कई मार्गों पर आवागमन बंद है। बस्तर से इच्छापुर और बस्तर से चोकर मार्ग नदी में बाढ़ आने से बंद हैं। मैसगांव में बाढ़ से कई घरों में पानी घुसने से लोगों को रेस्क्यू कर शिविर में रखा गया है। ग्राम आड़ावाल के नारनपाल और कुड़कानारा की निचली बस्ती जलमग्न हो गई है। खैरगुड़ा-मधोता क्षेत्र भी पूरी तरह जलमग्न है। नगर पंचायत बस्तर के कई वार्ड पानी से तरबतर हैं। जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है और लगातार निगरानी कर रहा है।

प्रबंधन टीम और ग्राम पंचायत द्वारा नावों और सुरक्षित वाहनों से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फंसे नागरिकों को राहत शिविरों में

भेजा जा रहा है। मधोता में आवासीय मकानों को भी भारी क्षति पहुंची है। पटेल पारा में माटाराम का मकान एक तरफ से गिर

गाजे-बाजे से किया गया गणेश विसर्जन

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडई

बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील क्षेत्र के लगभग सभी पंचायतों और गांवों में इस वर्ष सार्वजनिक गणेश उत्सव पूरे श्रद्धा, भक्ति और हर्षल्लास के साथ आयोजित किया गया।

विभिन्न पूजा समितियों द्वारा पंडालों में नौ एवं ग्यारह दिनों तक प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की

- पंचायतों और गांवों में धूमधाम से संपन्न हुआ सार्वजनिक गणेश उत्सव

धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए सातवें, नौवें और ग्यारहवें दिन के अंतराल में पूजा स्थलों पर अखंड रामायण और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ की समाप्ति पर पूर्णाहुति हवन किया गया, जिसके पश्चात कई स्थानों पर विशाल महाभंडारों का आयोजन हुआ, जहाँ हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण



कार्गिज के अंतिम दिन पूजा समितियों और स्थानीय ग्रामीणों ने अश्रुपूरित नेत्रों से भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ सरोवर व नदियों में विसर्जन किया। इसी के साथ नौ एवं ग्यारह दिवसीय इस महाउत्सव का भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हुआ।

उत्सव के अंतिम दिन पूजा समितियों और स्थानीय ग्रामीणों ने अश्रुपूरित नेत्रों से भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ सरोवर व नदियों में विसर्जन किया। इसी के साथ नौ एवं ग्यारह दिवसीय इस महाउत्सव का भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हुआ।

बाजारपारा की 20 साल पुरानी जर्जर सड़क के निर्माण को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► गीदम

गीदम नगर के बाजारपारा क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क के नवनिर्माण का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। रामदेव मोबाइल से पुलिया तक की इस सड़क को नगर पंचायत द्वारा निर्माण के लिए मंजूरी दे दी गई है। लंबे समय से इस सड़क

- मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल



जगह गड़बे बन गए थे और बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। कीचड़ और जलभराव के कारण स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों और व्यापारियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों द्वारा इस सड़क के

निर्माण की मांग को लेकर लगातार नगर पंचायत से गुहार लगाई जा रही थी। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कार्यभार संभालने के बाद से ही इस सड़क को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा था। अध्यक्ष ने बताया कि उनके द्वारा इस सड़क के प्रस्ताव को संबंधित स्तर पर भेजा गया था

नागरिक को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े

नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कहा कि नगर के विकास के लिए उनकी प्राथमिकता है कि जिस वार्ड में जिस कार्य की सबसे अधिक आवश्यकता है, उसे पहले पूरा किया जाए। उन्होंने कहा, बाजारपारा की सड़क लंबे समय से लोगों की मूलभूत जरूरत बनी हुई थी। हमारा प्रयास है कि नगर के किसी भी नागरिक को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। सड़क को मंजूरी मिलना केवल कागजी प्रक्रिया नहीं है, अब हमारा लक्ष्य है कि निर्माण कार्य च्व गुणवत्ता और मजबूती के साथ पूरा हो ताकि यह सड़क अगले कई वर्षों तक लोगों के लिए टिकाऊ बनी रहे। लगभग दो दशकों से इस सड़क के बनने का इंतजार कर रहे बाजारपारा के निवासियों के लिए यह मंजूरी किसी राहत से कम नहीं है। स्थानीय व्यापारियों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। अब क्षेत्र के लोगों को सड़क निर्माण का कार्य जल्द शुरू होने का बेसबी से इंतजार है।

और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इस सड़क के लिए वार्ड क्रमांक 9 और 10 के पार्षदों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वार्ड 9 के पार्षद सूरज सिंह ठाकुर और वार्ड 10 की पार्षद हीना रिजवी ने अपने वार्ड

80 हजार के डिंब समूह पर 70 हजार की सरकारी सब्सिडी, 10 रेशम पालकों को मिला सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज़ ►► बीजापुर

जिले के मिन्कापल्ली क्षेत्र में तसर रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों की आय के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। योजना के तहत 10 तसर रेशम पालक हितग्राहियों को कुल 5,000 स्वस्थ डिंब समूह वितरित किए गए। तसर रेशम उत्पादन के लिए ये स्वस्थ डिंब समूह बीएसएमटीसी वर्म, आंध्र प्रदेश से प्राप्त किए गए हैं। इन डिंब समूहों का कुल मूल्य लगभग 80 हजार है, जिसमें शासन द्वारा 70 हजार की सब्सिडी प्रदान की गई। हितग्राहियों को इसके लिए केवल 10 हजार का अंशदान करना पड़ा। इससे ग्रामीण रेशम पालकों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण रेशम उत्पादन के अवसर मिला है। स्वस्थ डिंब समूह उपलब्ध होने से तसर रेशम पालकों



को गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन में मदद मिलेगी। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। योजना से लाभान्वित कामेश्वर ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सब्सिडी मिलने से तसर रेशम पालन के लिए आवश्यक सामग्री प्राप्त करना आसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ डिंब समूह से बेहतर गुणवत्ता का कोसा उत्पादन करने में

मदद मिलेगी, जिससे अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिलेगा। मिन्कापल्ली क्षेत्र में तसर रेशम उत्पादन को प्रोत्साहन देने वाली यह पहल ग्रामीण हितग्राहियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय का साधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शासन की सहायता, अधिक उत्पादन और अतिरिक्त आमदनी की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

दंतेश्वरी मंदिर में नवरात्रि की तैयारी शुरू



पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह, एसडीएम लोकाश एल्मा, टम्पल कमेटी के सदस्य, मुख्य पुजारी, जप्रतिनिधिगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में नवरात्रि पर्व के अवसर पर विशेष रूप से यातायात प्रबंधन, चौराहों में लगने वाले अस्थाई दुकानों, चिकित्सा सुविधा व्यवस्था, पेयजल एवं साफ सफाई व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग के

संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में कलेक्टर एव एसपी द्वारा इस वर्ष भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। अतः इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है। जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा है नवरात्रि के प्रारंभ से ही जयसंत चौक एवं मुख्य

मार्गों पर जब श्रद्धालुओं, आम जनता की भारी भीड़ रहेगी, अतः आमजनों को आवागमन और सुरक्षा में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्पष्ट पार्किंग चिन्हांकन, स्थल बनाए गए है। साइट मैप में पार्किंग स्थलों को स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिए उन्हें पार्किंग पार्किंग 1, पार्किंग 2, पार्किंग 3 के रूप में नामांकित किये गए है।

ताकि आम जनता और श्रद्धालुओं को पार्किंग स्थल ढूँढने में कोई असमंजस न हो। इसके अलावा भंडारा आयोजकों को आगामी पर्व (नवरात्रि) के दौरान भंडारा लगाने वाली समितियों और निजी संस्थाओं को अपनी सूची एवं स्थल की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा भंडारा स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए दस्ताने (ग्लव्स) और डस्टबिन के वितरण की जिम्मेदारी नगरपालिका एवं संबंधित विभागों को

सौंपी गई है। चुंकि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य नवरात्रि पर्व के दौरान आने वाले सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा और सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है। श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के ठहरने की व्यवस्था के लिए दंतेवाड़ा शहर में पुरानी धर्मशाला, नई धर्म शाला, पुर्नवास बालक छात्रावास, आईटीआई कॉलेज, छात्रावास के अलावा आसपास के ग्राम पंचायतों के सामुदायिक भवनों को भी चयनित किया गया है इसके लिए क्यूआर कोड भी जारी किया गया है जिसका लॉगइन करके श्रद्धालु ठहरने की व्यवस्था की जानकारी ले सकते है बैठक में आसपास के प्रमुख स्थलों के रूट, साइट मैप का प्रदर्षन कर आवश्यक प्रशासनिक दिशा-निर्देश भी दिए गए। मैपिंग व मॉनिटरिंग बैठक के दौरान डिजिटल मैप्स के माध्यम से स्थल-वार यातायात प्रबंधन सुरक्षा, पार्किंग और रूट डायवर्जन की

योजनाओं पर समीक्षा भी की गई। बैठक के अंत में विधायक ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर स्वच्छता पर विशेष मॉनिटरिंग की जानी चाहिए और हमारे दन्तेवाड़ा जिले की धार्मिक छवि को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि विशेष आयोजनों के तहत सड़कों पर निर्धारित स्थलों में ही भण्डारा इत्यादि करने के दौरान प्लास्टिक कचरों का निपटान सही तरीकों से हो।

इसके साथ ही बैठक में टेंट पंडाल, प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम, धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ज्योति कलष प्रज्वलन, दुकानों हेतु स्थल का चयन आंबटन, श्रद्धालुओं के द्वारा सामान्य एवं विशेष दर्शन, पदयात्रियों के सुविधा हेतु अन्य जिलों से पत्राचार, मावली परघाव हेतु सुरक्षा बल की व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर भी विशेष चर्चा हुई।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

जिले में लगातार भारी बारिश के चलते उपजे बाढ़ के हालातों के बीच प्रशासनिक अमला अलर्ट होकर प्रभावितों को राहत प्रदान करने के लिए जुटा है। कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने दूसरे दिन भी प्रभावित इलाकों का भ्रमण कर जमीनी स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने डोंगाघाट और आसना समेत जलभराव से प्रभावित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का मुआयना किया। मार्गों पर जलभराव और अवरोधों के बावजूद प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने पनारपारा स्थित राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों के लिए की गई ठहरने की व्यवस्था सहित भोजन, पेयजल और चिकित्सा से जुड़ी सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और राहत कार्य तत्परता से जारी रहे। इसके साथ ही प्रशासन ने आम नागरिकों से सतर्क रहने, उफनते नदी-नालों तथा जलमग्न पुल-पुलियों को पार नहीं करने एवं जल भराव क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र 24 घंटे स्थिति पर सजगता के साथ निगरानी बनाए हुए है।

एनएमडीसी अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

हरिभूमि न्यूज़ ►► किरंदुल

एनएमडीसी के अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट का बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल परिसर के फुटबॉल मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट में एनएमडीसी की किरंदुल,

- किरंदुल ने दोहिमले को 3-0 से हराया, नगरनार ने बचेली को 3-0 से दी मात

बचेली, नगरनार एवं दोहिमले परियोजनाओं की चार टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन रवींद्र नारायण, अधिशासी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने किया। इस अवसर पर किशन आहूजा, परियोजना प्रमुख वर्क्स तथा जेसी दास, सीजीएम प्रोडक्शन एवं अध्यक्ष, स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी सहित एनएमडीसी किरंदुल के जीएम एचआर सुधांशु वामें समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा नेमेश्वर राव, अध्यक्ष एवं प्रदीप नामदेव, सचिव, एसकेएमएस, एससी एसटी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बीएल ताराम तथा स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी के सभी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में एनएमडीसी कार्मिक, उनके परिवारजन एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। खेल मैदान में दर्शकों के उत्साह ने आयोजन के माहौल को और जीवंत बना दिया। मोहम्मद तनवीर जावेद, डीजीएम मानव संसाधन एवं सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी, बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने स्वागत संबोधन किया। कार्यक्रम का संचालन राजनाथ ने किया। टूर्नामेंट के पहले दिन दो



मुकाबले खेले गए। उद्घाटन मैच में बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने दोहिमले आयरन और माइंस को 3-0 से हराया। किरंदुल की ओर से अमित प्रसाद, रंजीत और रविंद्र साहू ने एक-एक गोल किया। दिन के दूसरे मुकाबले में एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने बैलाडीला लौह अयस्क खदान, बचेली कॉम्प्लेक्स को 3-0 से पराजित किया। अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों के कार्मिकों को खेल के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने, टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन के माध्यम से एनएमडीसी अपने कार्मिकों के बीच खेल, फिटनेस और सौहार्दपूर्ण सहभागिता की भावना को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।



दुधावा बांध का जलस्तर बढ़ा, चार गेट को खुले

कांकेर। तीन दिनों तक लगातार बारिश के चलते दुधावा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। बांध में वर्तमान में 97.78 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बांध के चार गेट खोलकर 16,762 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। वहीं बांध में 28,706 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। जलभराव बढ़ने से प्रशासन द्वारा बांध की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। लोगों से जलाशय एवं आसपास के निचले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की अपील की गई है।

नदी-नाले उफान पर सैड़कों एकड़ की खेती में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज़ ॥ चारामा

अंचल में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते महानदी सहित आसपास की अन्य नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। नदी-नालों के किनारे स्थित सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई है। खेतों में लंबे समय तक पानी भरे रहने से धान सहित विभिन्न फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

लगातार बारिश के कारण खेत पूरी तरह जलमग्न नजर आ रहे हैं। चारामा सहित क्षेत्र के माहुद, मचांदूर,कंडेल, मुड़खुसरा, भिरौद, तेलगुड़ा, भिलाई, सराधुनवागांव, हाराडुला क्षेत्र प्रभावित है। कई स्थानों पर खेतों में खड़ी फसल पानी में डूबी हुई है। किसानों का कहना है कि यदि

किसानों की बढ़ी चिंता, लागत बढ़ेगी और उत्पादन में कमी होने की आशंका

बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा और खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई तो फसल को व्यापक नुकसान हो सकता है। पहले से ही खेती में बीज, खाद, मजदूरी और अन्य संसाधनों पर खर्च कर चुके किसानों के सामने अब फसल बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। महानदी और अन्य नदी-नालों के आसपास के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति अधिक गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश से खेतों में पानी जमा होने के कारण कृषि कार्य भी प्रभावित हुआ है। कई खेतों में पानी की गहराई बढ़ने से फसलों दिखाई तक नहीं दे रही हैं। किसानों के

अनुसार खेतों में अधिक समय तक पानी जमा रहने से पौधों के सड़ने और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। बारिश से प्रभावित किसानों ने प्रशासन से खेतों में हुए नुकसान का सर्वे कराने और फसल क्षति का आकलन करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण यदि फसल पूरी तरह खराब होती है तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में प्रशासन द्वारा समय पर सर्वे कराकर पात्र किसानों को नियमानुसार राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराया जाना जरूरी है। मौसम को देखते हुए किसानों की नजर अब बारिश थमने और खेतों से पानी की निकासी पर टिकी हुई है। लगातार बारिश ने इस समय किसानों के सामने खड़ी फसल को बचाने की चुनौती खड़ी कर दी है।

परतापुर में सैकड़ों एकड़ का धान फसल जलमग्न



पछांजूर। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अत्यधिक बारिश के चलते कोटरी नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है, जिसके कारण परतापुर क्षेत्र के निचले इलाकों में लगे धान के खेत पूरी तरह पानी में डूब गए हैं पिछले कई दिनों से खेतों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है। पानी की निकासी नहीं होने से तैयार हो रही धान की फसल सड़ने की कगार पर है। प्रभावित किसानों का कहना है कि इस साल धान की फसल पर बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी को मिलाकर हजारों रुपये प्रति एकड़ खर्च हो चुका है। सबसे बड़ी चिंता कर्ज को लेकर है। कई किसानों ने खेती के लिए बैंक से कृषि ऋण और साहूकारों से कर्ज लिया है। अगर 2-3 दिन और पानी खेतों में भरा रहा तो पूरी फसल चौपट हो जाएगी और किसानों के सामने मुश्करी के साथ-साथ कर्ज चुकाने का बेहतर संकट खड़ा हो जाएगा। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर सर्वे किया जाए।

कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

सर्व पिछड़ा वर्ग की बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की



कांकेर। संवैधानिक अधिकारों और लंबित मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने शनिवार को कांकेर के पुराना कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय समीक्षा एवं रणनीति बैठक आयोजित हुई। बैठक में 3 अक्टूबर को कोंडागांव में प्रस्तावित विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। आयोजित बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मांगों को शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए गांव और ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को कोंडागांव पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए महिला एवं युवा प्रकोष्ठ का जिला और ब्लॉक स्तर पर विस्तार करने का निर्णय लिया गया। समाज की ओर से कहा गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक के दौरान कांकेर जिला कार्यकारिणी का भी विस्तार किया गया। जिला उपाध्यक्ष अमृत जैन, जीवन पटेल, वीणा जैन, रामलाल जैन, राकेश यादव एवं कमलेश जैन को जिम्मेदारी दी गई। जिला महामंत्री के रूप में नरोत्तम वैष्णव एवं तोरण सिन्हा तथा जिला महिला प्रकोष्ठ की महामंत्री के रूप में विद्या सिन्हा एवं मंजू गुप्ता का चयन किया गया। आयोजित बैठक में पुरुषोत्तम गजेंद्र, कलम किशोर करयप, टिकेश्वरी सिन्हा, हरेश चक्रधारी, सोनीलाल जैन, सतेशसिंह जैन, परमानंद साहू, दिनेश पांडे, रामदेव सिन्हा, दीपक नायक, संतु निषाद, मंगल सिंह निषाद, तोरण सिन्हा, हेमराज पटेल, रघुनंदन गोस्वामी, देवेंद्र पटेल, चैनसिंह जैन, अमरचंद जैन, लक्ष्मी नाथ प्रधान, आकाश नायक, रकह गुप्ता, नंद कुमार, अनिता सोनी, सेवक पटेल, खुशबू, प्यारी और पार्वती रजक सहित समाज के पदाधिकारी एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे।

ढोल-नगाड़ों की धुन पर गणपति देव को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज़ ॥ कोयलीबेड़ा

गणेश चतुर्थी के अवसर पर कोयलीबेड़ा में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन गुरुवार को श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच किया गया। विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद भगवान गणेश की आकर्षक रूप से सजी प्रतिमा के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ी और डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए गणपति बप्पा मोरया के जयकारे



लगाते रहे। इससे पूरा कोयलीवेडा क्षेत्र गणपति

भक्ति में सराबोर नजर आया। शोभायात्रा निर्धारित विसर्जन स्थल पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने एक बार फिर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भावुक होकर गणपति बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। आयोजन में युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। पूरे गणेश उत्सव के दौरान क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के साथ आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल बना रहा।

बिरनपुर में नम आंखों से बप्पा को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज़. सरोना। नरहरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिरनपुर में 11 दिनों तक चले गणेश उत्सव का आज मावमीनी विदाई के साथ समाज में हो गया। ग्राम बिरनपुर में श्रद्धालुओं ने धूमधाम और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया। इस अवसर पर पूरे गांव में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और गली-गली / गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू



जल्दी आ/ के जयकारों से गूंज उठा। प्रतिमा स्थापना के दौरान ग्रामवासी अमित अट्टमैया, गंगाराम अट्टमैया, लक्ष्य साहू, मनन साहू और मानन्या अट्टमैया ने बताया था कि इस बार गांव में विशेष रूप से सजावट की गई है। 11 दिनों तक विधि-विधान

पूर्वक पूजा अर्चना की गई। प्रतिदिन सुबह और शाम गणपति बप्पा की आरती में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और आज अंतिम दिन बप्पा को नम आंखों से विदा किया गया। गांव के युवाओं और महिलाओं ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। युवाओं ने पूजा स्थल को आकर्षक रूप से सजाने और विसर्जन शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण किया। बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे 11 दिन गांव में भजन कीर्तन, आरती और सामूहिक प्रसाद का दौर चलता रहा।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा में बरसते पानी में उमड़े श्रद्धालु



सरोना। कांकेर जिले के सरोना तहसील के अंतर्गत ग्राम चिहिरौपारा में धूमधाम से भगवान गणेश की मूर्ति का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर पूरे गांव के लोगों द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया गया। भक्तिमय माहौल और जयकारों के बीच गणपति बप्पा को विदा किया गया। इस अवसर पर गांव के लोगों द्वारा बरसते पानी में डीजे डांस में नाचते हुए भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। तेज बारिश के बावजूद युवाओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से पूरा

गांव गूंज उठा। शोभायात्रा में बच्चे बुजुर्ग सभी थिरकते नजर आए। ग्राम चिहिरौपारा में हर साल की तरह इस साल भी गणेश उत्सव और विसर्जन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। अंत में विधि विधान से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। ग्रामीणों ने सुख शांति और समृद्धि की कामना की। सभी ने अगले साल फिर से और भी भव्य आयोजन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संजू टेकाम, रामसिंह निषाद, महेश नेताम, करण शोरी, देवेश मरकाम, ऋषम कुंजाम, योगेश कुंजाम, सूरज मंडवी, दिनेश नेताम, देवकरण मरकाम, युवराज यादव, अक्षय निषाद, शैलेन्द्र कोरेम, दानू शोरी, गुलेश शोरी, पिंटू शोरी, शैलेश नेताम, पोखन विश्वकर्मा, लोखन कुंजाम, सौरभ शोरी, लखन नेताम, बबलू सलाम, जितेंद्र यादव, सूरज लाल बघेल सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

थाना दुर्गूकोंदल में एसपी निखिल राखेचा का वार्षिक निरीक्षण

अपराध नियंत्रण,अभिलेख संधारण और जवानों के कल्याण मुद्दे पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज़ : दुर्गूकोंदल

पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने थाना दुर्गूकोंदल का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अपराध नियंत्रण, विवेचना कार्य, अभिलेख संधारण, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और पुलिस कर्मचारियों के कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने लंबित



मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के साथ आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार को पुलिसिंग की प्राथमिकता बताया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपराध पंजी, दैनिक डायरी, आगंतुक रजिस्टर, मालखाना, वारंट-समंस रजिस्टर सहित

सीसीटीएनएस से संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने दस्तावेजों के व्यवस्थित एवं अद्यतन संधारण के निर्देश दिए। लंबित अपराधों और विवेचना की समीक्षा करते हुए प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने की कहा। एसपी ने थाना परिसर स्थित शस्त्रागार एवं मालखाना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हथियारों को सुरक्षित एवं कांयशील स्थिति में रखने तथा पुलिस जवानों को नियमित रूप से शस्त्र अभ्यास कराने पर जोर दिया।

मोर मितान, बीट आरक्षकों की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान मोर मितान, बीट आरक्षकों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने बीट आरक्षकों को नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करने तथा ग्रामीणों एवं आम नागरिकों के साथ निरंतर बेहतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी समय पर मिल सके और अपराधों की रोकथाम में प्रभावी भूमिका निभाई जा सके।

तेज बारिश से दसपुर स्टॉपडेम हुआ क्षतिग्रस्त कांकेर के बिगाड़े हालात

बारिश थमने के 12 घंटे बाद भी खेतों में पानी जमा



हरिभूमि न्यूज़ ॥ कांकेर

लगातार हुई तेज बारिश का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। दसपुर क्षेत्र में भारी बारिश के चलते स्टॉप डेम क्षतिग्रस्त हो गया। बारिश थमने के करीब 12 घंटे बाद भी खेतों से पानी की निकासी नहीं हो सकी, वहीं बायपास से चिंवराज जाने वाले मार्ग में भी पानी भरा रहा। लंबे समय तक खेतों में पानी जमा रहने से किसानों की चिंता बढ़ गई है और फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार बारिश बंद होने के बाद भी पानी की निकासी सामान्य नहीं हो पाई। करीब 12 घंटे बीत जाने के बावजूद खेतों में पानी भरा रहने से किसानों को फसल खराब होने का डर सता रहा है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पानी की निकासी नहीं हुई तो खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। लगातार बारिश के बाद क्षेत्र में जलभराव की स्थिति को देखते हुए किसानों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है। बायपास से चिंवराज जाने वाले मार्ग पर भी पानी भरा हुआ है। सड़क पर जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है, इसके साथ ही इस मार्ग के आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के बाद क्षेत्र में जगह-जगह पानी जमा हो गया है, लेकिन समय पर निकासी नहीं होने से परेशानी बढ़ती जा रही है। किसानों के लिए खेतों में खड़ी फसल ही उनकी आजीविका का प्रमुख आधार है। ऐसे में लंबे समय तक खेतों में पानी जमा रहने से उनकी चिंता

तेज बारिश से 15 साल पुराना स्टॉप डेम क्षतिग्रस्त

दसपुर क्षेत्र में हुई तेज बारिश के दौरान पानी का दबाव बढ़ने से करीब 15 साल पुराना दसपुर स्टॉप डेम क्षतिग्रस्त हो गया। स्टॉप डेम के क्षतिग्रस्त होने से पानी के प्रवाह और जलनिकासी व्यवस्था पर असर पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने और पानी के तेज दबाव से स्टॉप डेम का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। इससे आसपास के खेतों में पानी जमा होने की स्थिति बनी हुई है। किसानों को आशंका है कि यदि जल्द जलनिकासी नहीं हुई तो खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्टॉप डेम का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है।



स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि पानी की निकासी जल्द नहीं हुई तो फसलों को नुकसान हो सकता है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बारिश से मकान ध्वस्त, उपसरपंच ने ली पीड़ित परिवार की जिम्मेदारी



हरिभूमि न्यूज़ ॥ कांकेर

सरोना तहसील अंतर्गत ग्राम चौरिया के डोंगरीपारा में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते चमरू राम शोरी का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार के सामने रहने और भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत के उपसरपंच गंगाराम भास्कर मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया।

मकान की स्थिति को देखते हुए उपसरपंच ने तत्काल पीड़ित परिवार के रहने की व्यवस्था कराने की जिम्मेदारी अपने स्तर पर ली। साथ ही परिवार को भोजन एवं आवश्यक राशन-पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सरपंच से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में परिवार को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और जरूरत की हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मकान क्षतिग्रस्त होने से पीड़ित परिवार को शासन की ओर से

मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि दिलाने के लिए भी उपसरपंच ने पहल की। उन्होंने स्वयं पटवारी से फोन पर संपर्क कर घटना का पंचनामा तैयार करने तथा मकान क्षतिग्रस्त होने से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कहा, ताकि नियमानुसार पीड़ित परिवार को सहायता राशि दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। इसके अलावा उपसरपंच गंगाराम भास्कर ने चमरू राम शोरी को शासन की महत्वपूर्ण आवास प्लस योजना का लाभ दिलाने के लिए उनका नाम जुड़वाने की जिम्मेदारी भी अपने स्तर पर लेने की बात कही। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि आवास संबंधी प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग किया जाएगा। लगातार बारिश के कारण मकान क्षतिग्रस्त होने के बाद उपसरपंच द्वारा तत्काल मदद का भरोसा दिए जाने से पीड़ित परिवार को राहत मिली है। उन्होंने परिवार से कहा कि आगे किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल उन्हें जानकारी दें, ताकि समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

online Booking:-www.tripuryatra.com

सुविधा, ज्येष्ठ सबसे कम राशि पर

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि :- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
R&PUS- 2/38, Sector-4, Kewal Vihar, KOREA- Shop No. 301,302,303 S.B. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:- 9165-411411

थाना दुर्गूकोंदल में एसपी निखिल राखेचा का वार्षिक निरीक्षण

अपराध नियंत्रण,अभिलेख संधारण और जवानों के कल्याण मुद्दे पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज़ : दुर्गूकोंदल

पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने थाना दुर्गूकोंदल का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अपराध नियंत्रण, विवेचना कार्य, अभिलेख संधारण, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और पुलिस कर्मचारियों के कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने लंबित

मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के साथ आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार को पुलिसिंग की प्राथमिकता बताया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपराध पंजी, दैनिक डायरी, आगंतुक रजिस्टर, मालखाना, वारंट-समंस रजिस्टर सहित

सीसीटीएनएस से संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने दस्तावेजों के व्यवस्थित एवं अद्यतन संधारण के निर्देश दिए। लंबित अपराधों और विवेचना की समीक्षा करते हुए प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने की कहा। एसपी ने थाना परिसर स्थित शस्त्रागार एवं मालखाना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हथियारों को सुरक्षित एवं कांयशील स्थिति में रखने तथा पुलिस जवानों को नियमित रूप से शस्त्र अभ्यास कराने पर जोर दिया।

मोर मितान, बीट आरक्षकों की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान मोर मितान, बीट आरक्षकों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने बीट आरक्षकों को नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करने तथा ग्रामीणों एवं आम नागरिकों के साथ निरंतर बेहतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी समय पर मिल सके और अपराधों की रोकथाम में प्रभावी भूमिका निभाई जा सके।

मित्तल हॉस्पिटल
त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा द्वारा
आयुष्मान योजना के अंतर्गत
निःशुल्क डायलिसिस
Dr Abhishek Tiwari
DrNB (Nephrology)
पूर्णकालिक सेवा उपलब्ध
अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें
अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल
होली क्रॉस स्कूल के सामने, अवति बाई चौक, पंडरी, रायपुर
फ़ोन: 93430 79151, 91313 99570

Deepak Ad./1191